www.maharashtracrimes.in
Email : editor@maharashtracrimes.in

www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 21 | अंक 09 | मुंबई, 05 जुलाई 2022 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

किसान की आत्महत्या का कारण
बिंगो रोलेट जुए की लत !

गोविंद भोसले

नासिक, आप ने अक्सर राज्य की विधानसभा, राज्यसभा, टीवी और समाचार पत्रों के माध्यम से यह सुना होगा या फिर पढ़ा होगा कि गांव के किसान ने कर्ज के कारण आत्महत्या की है - लेकिन किसान के आत्महत्या का कारण अक्सर लोग यही बताते है कि कर्ज के कारण किसान ने आत्महत्या की है - लेकिन कभी किसी जांच विभाग ने गहराई से छानबीन करने के बाद यह खुलाशा नहीं किया होगा कि किसान ने जिससे भी कर्ज की रकम ली है, उस कर्ज की रकम को किसान ने कहां और कैसे खर्च किये ? जिससे उस किसान को खुद आत्महत्या करने की नौबत आई? किसान ने किससे कर्ज लिये थे? और क्यों लिये थे ?

और किसान ने कर्ज लिये हुआ रुपए को कहां खर्च किया? इसकी सच्चाई जानना यह हम सभी के लिये बेहद जरूरी है - महाराष्ट्र राज्य में नाशिक जिले के ग्रामीण विभाग के अंतर्गत आने वाले त्रंबकेश्वर पुलिस थाने की हद में घटी एक सच्ची घटना सामने आई है - जिसे सुनकर रोंगटे खड़े हो जायेंगे दिलीप नामदेव मेढ़े नामक एक व्यक्ति जिनका इकलौता लड़का जिसका नाम संदीप दिलीप मेढ़े. एक अच्छे - खासे परिवार से किसानी करके अपनी खुशहाल जिंदगी गुजार रहे थे - पता नही कैसे उसे बिंगो रोलेट नामक जुए की लत लग गई - बिंगो रोलेट यह एक ऐसा जुआ है, जिससे हर कोई व्यक्ति अपने मोबाईल व कंप्यूटर से ऑनलाइन खेल सकता है - बिंगो रोलेट खेलने का तरीका इस प्रकार है -- इसमें टोटल ३६ घर होते है और इसमें आपको जीतने पर एक रुपये के एवज में ३६ रुपये मिलते है - इस खेल को खेलने में रुपयों की कोई सीमा नही है. आप अपने मन मर्जी के मुताबिक जितना चाहो उतना खेल सकते हो. इसी तरह से बिंगो रोलेट खेल में कई प्रकार के अनेक खेल है - इसी लालच में संदीप मेढ़े आकर उसने एक ब्याजखोर से १० टके रुपए से धीरे धीरे करके कुल लगभग 68 लाख रुपए लिये जिसका ब्याज हर महीने लगभग 6 लाख 80 हजार रुपए संदीप ब्याजखोरो को दे रहा था - लेकिन संदीप ने बिंगो रोलेट खेल में पुरे रुपए हार जाने के बाद, समय पर ब्याजखोरो को ब्याज नही दे सका. इस पर ब्याजखोरो ने संदीप पर यह कहकर दबाव बनाना शुरू किया कि वह अपनी खेती बेच कर हमारा 68 लाख रुपए हमें लौटाए. संदीप ने यह सोचा कि यदि वह अपनी खेती बेचकर इन ब्याजखोरो को वह रुपये लौटाता है. उसके बाद उसका अपना परिवार खुद सडक पर आ जायेगा और संदीप यह नही देख सकता था. इसलिये संदीप ने खुद यह फैसला किया की वह खुद अपनी मर्जी से आत्महत्या कर लेगा इससे उसके परिवार वाले भी बर्बाद होने से बच जायेंगे और संदीप ने वही किया जो उसे नही करना चाहीये था संदीप के गुजर जाने से किसका नुकसान हुआ ? और किस का फायदा हुआ? बिंगो खेल खिलाने वालो ने तो 68 लाख रुपए कमा लिया, लेकिन जिस बूढ़े बाप का जो इकलौता सहारा था, वह इस दुनिया से चला गया. आज दिलीप नामदेव मेढ़े की दो जवान बेटी और बूढ़े माँ - बाप है. इन बूढ़े माँ - बाप की जीते जी दुनिया उजड़ गई - इसी घटना को लेकर दिलीप नामदेव मेढ़े नासिक जिले के पुलिस अधिक्षक श्री सचिन पाटिल को एक लिखित शिकायत की. शिकायत पत्र के आधार पर गहन छानबीन किये जाने पर यह बात पूरी तरह से यह सच साबित होने पर दिनांक १०/०३/२०२१ के रोज पुलिस अधिक्षक श्री सचिन पाटिल की मार्गदर्शन में त्र्यंबकेश्वर पुलिस थाने में भादवी ४३९.३०६.३४ तहत कैलास जोगिन्द्र शाह, कैलास जाधव, प्रीतम गोसावी इन तीनो पर कानूनी करवाई की गई. बिंगो रोलेट (जुआ के अड्डे) को हमेशा के लिये बंद कराया.

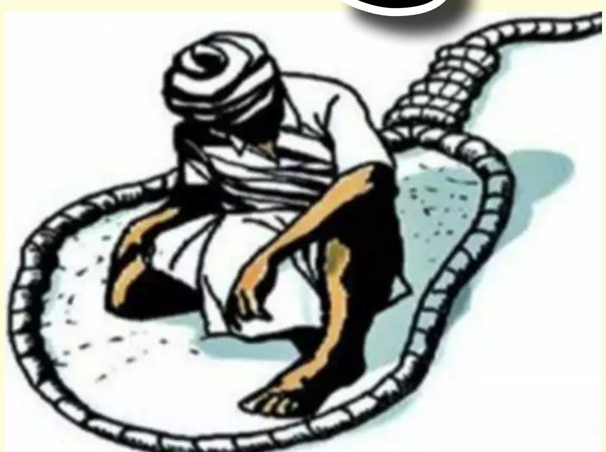

स्थानिक सूत्रों के अनुसार इसी तराह का एक घटना त्र्यंबकेश्वर पुलिस थाने में के हद में घटी जिसमे शिकायतकर्ता श्री गोरख गवली नामक व्यक्ति ने शिकायतकर्ता का कहना है कि उनके लड़के ने भी कुछ ब्याजखोरो से लगभग चौवालिस लाख (४४०००००) लिया है और वह भी इसी बिंगो रोलेट खेल (गेम) में हार चुका है और यहां भी बिलकुल संदीप दिलीप मेढ़े की तरह आत्महत्या की स्थिति बन चुकी थी. लेकिन सही समय पर श्री गोरख गवली ने पुलिस अधिक्षक सचिन पाटिल के पास शिकायत करने पर पुलिस ने तत्काल आनन - फानन मी बिंगो रोलेट (जुआ के अड्डे पर) छापा मारकर कैलास जोगिन्द्र शाह, सांताराम वामन पगार और सुरेश अर्जुन वाघ को भा.द.वी.३०६. ३४.१२..(अ) तहत कानूनी कारवाई की और बिंगो रोलेट (जुआ के अड्डे) को हमेशा की लिये बंद कराया. स्थानिक जानकार बताते है कि कैलास जोगिन्द्र शाह गंगापूर के हद में बिंगो रोलेट (जुआ का अड्डा) शुरू किया था. कुछ महीनों बाद स्थानिक रहिवाशी ने मिलकर पुलिस अधिक्षक सचिन पाटिल से मुलाकात की और परिसर में अवैध तरीके से चल रहे बिंगो रोलेट खेल के विषय में तपशील से बताया. पुलिस अधिक्षक सचिन पाटिल ने गंगापूर पुलिस थाने के प्रभारी को यह आदेश दिया -''तत्काल बिंगो रोलेट के अड्डे पर कानूनी करवाई करके बंद कराए.'' गंगापुर पुलिस थाने के प्रभारी ने पुलिस अधिक्षक सचिन पाटिल के आदेश का पालन करते हुये दिनांक २६/०७/२०२१ को भा.द.वी.के तहत ३९७ (२) कानूनी करवाई करके बंद कराया. इसी तरह से फिर कैलास जोगिन्द्र शाह ने कुछ दिनों बाद गंगापुर पुलिस थाने के हद में अपने इस बिंगो रोलेट (जुआ) के अड्डे को दुबारा शुरू किया. कुछ महीनों बाद लोगो ने नासिक जिले के डी.जी.पी. से शिकायत की. डी.जी.पी. के आदेश पर सायबर सेल गंगापुर पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक सी.आर क्र १०८/२०२१ भा.द.वी.४०६.४२०.४.५ के तहत कैलास जोगिन्द्र शाह पर कानूनी करवाई की. बताया जाता से की इसी तरह से नासिक जिले के अंतर्गत आने वाले गंगापुर भद्रकाली पंचवटी, पिपलगाव, त्रंबकेश्वर, औझर, दिदोर इन पुलिस थाने ने लोगों की शिकायत पर कानूनी करवाई करके हमेशा-हमेशा के लिये बंद कराया. आज जानकार यह बताते है कि पुरे नासिक जिले में इस तरह के अवैध बिंगो रोलेट खेल (गेम) सक्त प्रतिबंध लगाया गया है. इसी के साथ पुरे भारत में भी इस तरह के जुआ खेलना और खिलाने पर हर तरह से पाबन्दी है. अब यह बिंगो रोलेट का गिरोह पूरे नवी मुंबई शहर में सक्रिय है. (पेज ४ पर....)

फिर बढ़ने लगी कोरोना संक्रमितों की संख्या

मुंबई : देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या इन दिनों फिर से बढ़ने लगी है। हालांकि इस बार खतरा ज्यादा नहीं है और लोग ठीक हो जा रहे हैं। मगर इन सबके बीच संक्रमण से ठीक हो चुके लोगों के लिए एक बुरी खबर है। अमेरिका के ओरेगॉन यूनिवर्सिटी के हालिया अनुसंधान में पता चला है कि अन्य श्वसन विकारों की तुलना में कोविड से ठीक होनेवाले २५ फीसदी मरीजों को ४ महीने तक मानसिक विकार का शिकार होने का खतरा है। यह अनुसंधान वर्ल्ड साइकियाट्री जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

यह अनुसंधान पोस्ट-कोविड मानसिक विकारों का अध्ययन करनेवाले शोधकताओं के लिए उपयोगी होगा। लेकिन इस नए अध्ययन में पिछले अध्ययनों के निष्कर्षों की तुलना में मानसिक विकारों का जोखिम कम पाया गया। इस स्टडी में ४६,६१० करोड़ मरीजों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। शोधकर्ताओं ने कोरोना से संक्रमित पाए गए लोगों को जिन्हें कोई मानसिक बीमारी नहीं थी, पर २१ से १२० दिन और १२० से ३६५ दिन बाद अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि कोरोना से पीड़ित लोगों में मानसिक विकारों के मामले ३.८ फीसदी हैं, जबकि अन्य श्वसन रोगियों में यह दर ३.० फीसदी है।

पर्यटन स्थल पर शराब पीकर हंगामा करनेवाले पर तत्काल कार्रवाई...

मुंबई : पर्यटन स्थल पर शराब पीकर हंगामा करनेवाले पर्यटकों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी, ऐसी चेतावनी लोनावला शहर की पुलिस ने दी है। लोनावला में बारिश शुरू होने पर बड़ी संख्या में लोग पर्यटन का आनंद लेने के लिए घर के बाहर तैयार होकर जाते हैं। पुणे जिले के अनेक पर्यटन स्थलों पर राज्य के कोने-कोने से नागरिक आते हैं। मावल तालुका में लोनावला एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। लोनावला में भारी बारिश की शुरूआत हो गई है, जिसके कारण पर्यटकों के कदम लोनावला की ओर बढ़ने लगे हैं। अवकाश के दिनों में भारी भीड़ बढ़ने की शुरूआत हो गई है। इस पृष्ठभूमि पर अनहोनी को टालने के लिए प्रशासन तैयार हो गया है। लोनावला आनेवाले सैलानियों पर शहर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। इसके लिए शहर और उसके आस-पास तीन जगहों पर चेक पोस्ट बनाए गए हैं। मुंबई से आनेवाले खंडाला में एक चेक पोस्ट और पुणे से आनेवाले कुमार चौक पर दूसरा चेक पोस्ट, टाइगर पॉइंट पर भूसी बांध और सहारा ब्रिज पर भी हंगामा करनेवाले पर्यटकों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

महाराष्ट्र क्राईम्स

मुंबई, 05 जुलाई 2022

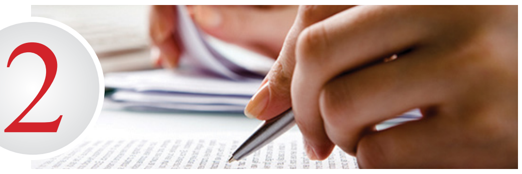

संपादकीय

उभरते बाजार

इन दिनों उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को रोजर मूर जैसा महसूस हो रहा होगा, जिन्हें जेम्स बॉन्ड की भूमिका निभाने वाले अभिनेताओं में सबसे बदतर माना गया था। मूर ने एक बार कहा था कि भले ही अब उन्होंने बॉन्ड फिल्में करना बंद कर दी हों, लेकिन जब भी कोई 007 फिल्म आती है, आलोचक किसी न किसी बहाने उन्हें आड़े हाथों लेने का मौका नहीं चूकते। यही हालत वैश्विक अर्थव्यवस्था की भी है। चाहे ब्याज दरों में बढ़ोतरी हो या कमोडिटी की कीमतों में उछाल- विश्लेषक उभरते हुए बाजारों की आलोचना करने का मौका ढूंढ ही लेते हैं। लेकिन अगर हम गौर से देखें तो पाएंगे कि ये आलोचक जिन देशों का उदाहरण देते हैं, वे अमूमन छोटे हैं, जैसे जाम्बिया और श्रीलंका। दुनिया में 150 विकासशील अर्थव्यवस्थाएं हैं। किसी न किसी में कुछ गड़बड़ होना स्वाभाविक है। लेकिन इनमें जो शीर्ष 25 विकासशील देश हैं- भारत से लेकर ब्राजील तक- वे फिलहाल मजबूत वित्तीय अवस्था में हैं। विकासशील विश्व की 70 प्रतिशत आबादी और 90 प्रतिशत जीडीपी इन 25 देशों में है। 2013 में मौद्रिक नीति की नकेल कसने के बाद जब वैश्विक निवेशकों ने एकजुट होकर कूच किया था, उसकी तुलना में आज वे एक बेहतर स्थिति में हैं। उनके मौजूदा खाते भी घाटे के बजाय सरप्लस में आ गए हैं। विदेशी मुद्रा भंडार भी जीडीपी के 19 प्रतिशत से बढ़कर 26 प्रतिशत हो गया है। 1990 के दशक में बनी स्थितियों के कारण इन देशों को अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने पर मजबूर होना पड़ा था।

इसी से 2000 के दशक में उनके यहां बूम की स्थिति आई। 2010 का दशक इसकी तुलना में मंदा रहा। अब जब महामारी ने उन्हें एक बार फिर सुधार के लिए विवश कर दिया है तो मानकर चलिए कि आने वाले समय में वे मजबूती से उभरकर सामने आएंगे। वास्तव में उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को लेकर निराशा का रुझान बीते दशक की ही देन है, जब उनके विकास की गति मद्धम पड़ गई थी। लेकिन अब वे फिर से पटरी पर लौट रही हैं। यहां इस तथ्य की अनदेखी कर दी जाती है कि 2022 के शीर्ष दस स्टॉक मार्केट उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं से ही थे। जब अमेरिका के बाजार में गिरावट आती है तो अपेक्षा की जाती है कि उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं और गिरेंगी। लेकिन आज वे बेहतर प्रदर्शन क्यों कर रही हैं? इसका एक कारण तो यह हो सकता है कि जो विदेशी पूंजी सामान्यतया इन देशों को संकट से बाहर निकालती है, वह 2022 शुरू होने से पहले ही छितरा गई थी। वहीं मेक्सिको से लेकर थाईलैंड और भारत तक अनेक उभरते हुए बाजारों में घरेलू निवेशक नेट-बायर रहे हैं। इतिहास इस बात का गवाह है कि विदेशियों से पहले घरेलू निवेशक परिस्थितियों में होने वाले बदलावों को भांप लेते हैं। नीतिगत रूप से भी उभरते हुए बाजार आगे हैं। सामान्यतया वे फेडरल रिजर्व की नीतियों का अनुसरण करते हैं। लेकिन मुद्राओं के कमजोर होने के कारण उनके केंद्रीय बैंकों ने 2021 की शुरूआत से ही चीजों पर नियंत्रण करना शुरू कर दिया था।

यह फेडरल रिजर्व से एक साल पहले किया गया था। नतीजा यह है कि अब उन्हें महंगाई से जूझने के लिए अमेरिका जितनी मेहनत नहीं करना है। दो दशक में यह पहली बार है, जब त्वरित-मुद्रास्फीति से जूझने वाले देशों में विकसित देशों की संख्या विकासशील की तुलना में अधिक है। आज दुनिया की अर्थव्यवस्था जिस स्टैगफ्लेशन यानी मुद्रास्फीति से निर्मित होने वाली मंदी की स्थिति में है, उसकी तुलना विश्लेषक 1970 के दशक से कर रहे हैं। पूंजी अब नए ठिकानों की तलाश कर रही है। याद रखें कि 70 के दशक में भी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं ने बेहतर प्रदर्शन किया था। आज की तरह तब भी कमोडिटी की कीमतें बढ़ी थीं और अनेक अनेक उभरते हुए बाजार कमोडिटियों के बड़े निर्यातक हैं। रोजर मूर की फिल्में आज बेहतरीन बॉन्ड फिल्मों में से एक मानी जाने लगी हैं। उभरते हुए बाजारों को भी एक फ्रेश रिव्यू की दरकार है। जब अमेरिका के बाजार में गिरावट आती है तो अपेक्षा की जाती है कि उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं और गिरेंगी। लेकिन इसके बजाय आज वे बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। नीतिगत रूप से भी उभरते हुए बाजार आगे हैं।

इंदिरा गांधी के विषय में 9 रोचक तथ्य

इंदिरा गांधी को अपने संपूर्ण जीवन में कई रूपों में जाना जाता था। 70 के दशक के दौरान भारत की लौह महिला, एकमात्र महिला प्रधानमंत्री, कांग्रेस की आत्मा। वह जवाहर लाल नेहरू की बेटी थीं और अपनी विरासत बनाने के लिए भारतीय इतिहास में सबसे अधिक स्मरणीय नामों में से एक रहीं। हालांकि ये इंदिरा गांधी के विषय में सामान्य रूप से ज्ञात तथ्य हैं। लेकिन हमने उनके व्यक्तित्व और एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ के रूप में उनके कौशल को समझने में आपकी सहायता के लिए कुछ और दिलचस्प बातों का खुलासा किया।

1. उन्होंने पी.एम. के कार्यालय में पी ए के रूप में कार्य किया- जब उनके पिता जवाहर लाल नेहरू ने पद भार संभाला, वह एक युवा वयस्क थें हालांकि नेहरू ने इंदिरा के उज्जवल चरित्र और बुद्धि की बदौलत उन्हें अपने पहले निजी सहायक के रूप में चुना। वहाँ से वह सबसे अच्छे हाथों में से एक से शासन कला सीखने गईं।

2. पूर्व पी.एम. दिवस- प्रधानमंत्री की भूमिका निभाने से पहले उन्होंने सूचना एवं प्रसारण विभाग में मंत्री के रूप में कार्य किया। यह लालकृष्ण आडवानी के मंत्रिमंडल के दौरान एक संक्षिप्त अवधि के लिए हुआ।

3. गांधी कहानी- लोग हमेशा महात्मा गांधी के परिवार से संबंधित होने के लिए इंदिरा गांधी को गलत

कहते हैं। यद्यपि नेहरू परिवार हमेशा महात्मा गांधी के परिवार से निकटता से जुड़ा था। लेकिन इंदिरा ने इनसे यह नाम प्राप्त नहीं किया था। उनके पति फिरोज गांधी, प्रसिद्ध गांधी परिवार से संबंधित नहीं थे।

4. रिचर्ड निक्सन के साथ उनका झगड़ा-अपने कार्यकाल की अवधि में अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने सोवियत संघ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय करने के बाद इंदिरा गांधी को 'पुरानी चु ड़ैल' कहा था। यह भारत और पाकिस्तान के बीच उच्च तनाव और पक्ष चुनने के युग के दौरान था। निक्सन चाहते थे कि पाकिस्तान को अमेरिका का समर्थन मिले इसलिए उसने अपने सहयोगी के रूप में अपने अंतर्राष्ट्रीय दुश्मनों को चुना।

5. राष्ट्रपति दोस्त- इंदिरा ने संयुक्त राज्य अमेरिका की अध्यक्ष लिंडा जानसन के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे, जो अक्सर उनसे मिलने जाते थीं और उनके द्वारा आयोजित रात्रिभोज में सम्मिलित होती थीं। नारी शक्ति, हम सभी को एक साथ लाती है। क्या मैं सही हूँ?

6. उन्होंने ब्रिटिश गुड़िया को जला दिया-अपने पिता और संपूर्ण राष्ट्र को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष करते देख इंदिरा ने एक अत्यंत दृढ़ चरित्र विकसित किया। कम उम्र से ही उन्होंने ब्रिटिश सामानों का बहिष्कार करना सीख लिया था। क्योंकि उन्होंने अनुभव किया कि उन सामानों को स्वीकार करने से ब्रिटिश अर्थव्यवस्था ताकतवर होती है। वह अपने स्वयं के खिलौने, जो इंग्लैंड में बने थे उन्हें जलाने के लिए जानी जाती हैं।

7. उन्होंने पहला परमाणु परीक्षण किया-किसी के मन में यह संदेह नहीं है कि इंदिरा गांधी विविध क्षेत्रों में दूरदर्शी थीं। वह भारत को वैश्विक परमाणु शक्ति बनाने की दिशा में कदम उठाने वाली पहली नेता थीं जिन्होंने अंततः पोखरन में स्माइलिंग बुद्धा नामक सफल परमाणु बम परीक्षण किया।

8. उनकी अपनी पार्टी- जब कि हर कोई इंदिरा गांधी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चेहरे के रूप में जानता था उन्होंने 1978 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। इसे कांग्रेस आई कहा गया, जिसके लिए वह बदनाम हुईं। 1980 के लोकसभा चुनावों में वे विजयी हुईं लेकिन उसके समाप्त होने के बाद उनकी कड़ी निंदा हुई।

9. मृत्यु-1984 में सिख समुदाय के साथ झगड़े को लेकर उनके निजी अंगरक्षकों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई। उनकी समाधि दिल्ली के राजघाट में है।

बहुत दूर की सोची है... !

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस के उप-मुख्यमंत्री बनने ने सबको आश्चर्य में डाल दिया है। लेकिन ऐसा वहां पहली बार नहीं हुआ है। वास्तव में पिछले चार दशकों में महाराष्ट्र में ऐसा तीन बार हो चुका है कि पूर्व मुख्यमंत्रियों को नए मंत्रिमंडल में साधारण मंत्री बनकर रहना पड़ा है। फडनवीस ने घोषणा तो कर दी थी कि वे मंत्री तक नहीं बनेंगे लेकिन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आग्रह पर उन्होंने उप-मुख्यमंत्री का पद स्वीकार कर लिया।

यदि यही बात भाजपा 2019 में मान जाती तो शिवसेना और भाजपा का गठबंधन ही क्यों टूटता? लेकिन असली सवाल यही है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने इस समय मुख्यमंत्री का पद शिंदे को क्या सोचकर दे दिया है और महाराष्ट्र में अगले चुनाव में इस गठबंधन का भविष्य क्या होगा?

इस प्रश्न का पहला उत्तर तो यही है कि शिवसैनिकों को भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि उसे सत्ता नहीं, सिद्धांत प्रिय है। उसने सत्ता पाने की खातिर शिवसेना के विधायकों को उकसाया या पटाया नहीं है। उसका आरोप है कि सत्ता की खातिर उद्धव ठाकरे ने ऐसी पार्टियों के साथ गलबहियां डाल लीं, जिनके विरोध में ही बाल ठाकरे ने शिवसेना की स्थापना की थी। उद्धव ने बाल ठाकरे की विचारधारा (हिंदुत्व) को ताक पर रख दिया था।

शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने के पीछे मुझे दूसरा कारण यह दिखाई पड़ता है कि भाजपा और शिंदे की सरकार तो बन गई लेकिन शिवसेना के अपदस्थ नेताओं के रौद्र रूप का मुकाबला कौन करेगा? यदि फडनवीस मुख्यमंत्री बन जाते तो यह टक्कर उन्हें ही लेनी पड़ती। यह सौदा बहुत महंगा पड़ सकता था। झगड़ा शिवसेना का और डंडा भाजपा का? महाराष्ट्र में कोहराम मच जाता।

अब शिवसेना के ही झंडों और डंडों के बीच सीधी टक्कर होगी। लेकिन ठाकरे अपने शिवसैनिकों को किस मुंह से उकसाएंगे? क्योंकि शिंदे ने कह दिया है कि यह बाल ठाकरे के शिष्यों की ही सरकार है। यही ठीक है कि भाजपा और नई शिवसेना की गठबंधन सरकार ने शपथ ले ली लेकिन सर्वोच्च न्यायालय को अभी भी तय करना है कि शिवसेना के 40 विधायकों ने जो दलबदल किया है, वह कानून के मुताबिक है या नहीं?

ऐसी संभावना कम ही है लेकिन मान लें कि सर्वोच्च न्यायालय शिंदे की शिवसेना को मान्यता न दे और उस पर दलबदल कानून थोप दे तो उस गिरती हुई सरकार का बोझ भाजपा क्यों उठाए? भाजपा पहले भी मुंबई में गच्चा खा चुकी है। शिंदे मुख्यमंत्री तो बन गए हैं लेकिन विधानसभा में भाजपा की शक्ति शिवसेना से ढाई गुना ज्यादा है। तो ज्यादा मंत्री किसके बनेंगे? जाहिर है सरकार भाजपा ही चलाएगी। भाजपा की छवि आम महाराष्ट्रीयन जनता के बीच इसलिए भी बेहतर बन गई है कि उसने मुख्यमंत्री पद का त्याग किया है। क्योंकि यदि वह देवेंद्र फडनवीस को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अड़ जाती तो उसे कौन रोक सकता था? इसलिए भी कर्नाटक या मध्यप्रदेश आदि में बनी भाजपा सरकारों से महाराष्ट्र के परिदृश्य की तुलना नहीं हो सकती।

महाराष्ट्र में शिंदे की सरकार के पीछे भाजपा नेताओं की काफी दूरदेशी नजर आती है। यदि कोई संवैधानिक अड़चन नहीं हुई तो लगता है कि यह सरकार अपनी अवधि पूरी करेगी।

महाराष्ट्र सियासत !

मध्यावधि चुनाव हुए तो हम 100 सीटें जीतेंगे- संजय राउत

महाराष्ट्र : शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि अगर महाराष्ट्र में अभी मध्यावधि चुनाव हुए तो उद्धव ठाकरे नीत पार्टी 100 से अधिक सीट जीतेगी और दावा किया कि लोग बागी विधायकों से नाराज हैं। राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला करते हुए कहा कि धन बल या केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से दबाव डालकर शिवसेना को 'हाईजैक' नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''बागियों के खिलाफ गुस्से और पार्टी के पक्ष में उत्साह को देखते हुए कह सकते हैं कि अगर राज्य में आज मध्यावधि चुनाव होते हैं तो शिवसेना 100 से अधिक सीट जीतेगी। अगर कोई विधायक पार्टी छोड़ता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि शिवसेना ने अपने मतदाता खो दिए हैं।'' विधानसभा में विश्वास मत जीतने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दावा किया कि भाजपा और उनके नेतृत्व वाली शिवसेना अगले विधानसभा चुनाव में 200 से अधिक सीट जीतेगी और अगर ऐसा नहीं होता है, तो वह फिर से खेती का काम करेंगे। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी भाजपा को महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव कराने की चुनौती दी थी। नवनिर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना मूल पार्टी है और अगर पार्टी के विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लिया जाता है, तो उन्हें अपनी कानून की डिग्री वापस कर देनी चाहिए। नार्वेकर पेशे से वकील हैं। शिंदे खेमा ने सोमवार को व्हिप जारी कर शिवसेना के सभी विधायकों को राज्य सरकार के पक्ष में वोट करने को कहा था।

पानी से भरे गड्ढ़े में गिरने से लड़के की मौत !

ठाणे : ठाणे जिले के डोंबिवली इलाके में मंगलवार को एक निमार्णाधीन इमारत में लिफ्ट के लिए खोदे गए और पानी से भरे गड्ढ़े में गिरने से छह साल के बच्चे की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मानपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि वेदांत जाधव सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे लापता हो गया । जांच में पाया गया कि जिस गेंद से वह खेल रहा था, उसे निकालने की कोशिश में वह गड्ढे में गिर गया था। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख अविनाश सावंत ने कहा कि इस बीच, एक अन्य घटना में दिन के दौरान भारी बारिश के कारण टोल नाके के पास मुंबर बाईपास पर भारी पत्थर गिर गए। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि स्थानीय दमकलकर्मी और आरडीएमसी के दल पत्थरों को हटा रहे हैं।

मुंबई में भारी बारिश के बाद भूस्खलन होने से तीन लोग घायल

मुंबई और इसके आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को भी तेज बारिश का दौर जारी रहा, जिस वजह से शहर के अनेक स्थानों पर जलजमाव देखने को मिल रहा है। सड़क यातायात के साथ ही ट्रेन और बेस्ट बसों की आवाजाही पर भी असर पड़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज भी मुंबई और इसके उपनगरों में मध्यम से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना जतायी है।

मुंबई में भारी बारिश के बाद भूस्खलन होने से तीन लोग घायल

मुंबई में लगातार तीसरे दिन भी भारी बारिश जारी है, जिससे एक चॉल के पास भूस्खलन हो गया, कई जगहों पर जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई और यातायात बाधित हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि भूस्खलन की घटना में तीन लोग घायल हो गए।

नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने वाले लोगों को दे रे थे धमकी, 4 हिरासत में

अमरावती पुलिस ने निलंबित बीजेपी नेता नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट करने वाले लोगों को धमकी भरे कॉल करने के आरोप में चार लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है।

मुंबई के चेंबूर इलाके में लोगों के घरों में घुसा बारिश का पानी, वीडियो में देखें हालात

मुंबई के चेंबूर इलाके में बारिश के बाद जलभराव के कारण लोगों के घरों में पानी घुस गया। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। वहीं, कला नगर क्षेत्र में बारिश के बाद जलभराव के कारण जाम जैसे हालात हुए है।

मुंबई के चूनाभट्टी इलाके में भूस्खलन

मुंबई में तेज बारिश के बीच चूनाभट्टी इलाके में भूस्खलन की खबर है। पहाड़ से गिरे मलबे से तीन घर क्षतिग्रस्त हो गए है, जबकि दो लोग घायल बताया जा रहे है। मौके पर पहुंची मुंबई पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम ने लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया है।

पानी-पानी हुआ वसई-विरार !

समस्या से जनता परेशान...

मुंबई : रात से तेज हवाओं के साथ पालघर जिले सहित वसई-विरार में मूसलाधार बारिश से शहर पानी-पानी हो गया। गांवों से लेकर शहरों तक पानी ही पानी नजर आ रहा है। कई स्थानों पर बस-ऑटो बंद रहने और ट्रेनें लेट होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जिला प्रशासन ने नागरिकों को सुरक्षित रहने की अपील की है। पुलिस और प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य किया जा रहा है। बारिश का सबसे ज्यादा असर पालघर, सफाले, बोईसर व डहाणु सहित वसई-विरार शहर में जोरदार बरसात हुई। वसई, नालासोपारा, विरार में भारी जलभराव से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मनोर, पालघर, बोईसर, सरावली, अमरोली, पालघर रोड में सड़कें जलमग्न हो गईं।

पालघर जिले सहित वसई-विरार शहर के निचले इलाकों में बने घरों एवं दुकानों में दो-तीन फुट पानी घुस गया। ऊपरी इलाकों में बनी सोसायटियों और दुकानों में भी वही स्थिति पैदा हो गई है। जिले के कई पुलिस स्टेशनों का भी यही हाल रहा। पुलिस थाने के बाहर गाड़ी वाहन पानी में डूबते दिखाई दिए। कई पुलिस स्टेशनों एवं सरकारी कार्यालयों में पानी घुसने से काम-काज ठप रहा। मूसलाधार बारिश के कारण कई लोगों के वाहन पानी में बह गए। इसके अलावा कई लोग अपने वाहन को रस्सियों के सहारे खींचते नजर आए। वही हाल वसई-विरार शहर का रहा। वसई-विरार शहर के सेंट्रलपार्क, नगीनदास पाड़ा, मोरेगांव, विजयनगर, तुलींज रोड, आचोले रोड, अलकापुरी, स्टेशन परिसर, हनुमान नगर, निले मोरेगांव, वसई-पूर्व के सनशाइन, वसंत नगरी, विरार-पूर्व के कारगिल नगर, मनवेल पाडा, विरार-पश्चिम गोकुल टाउनशिप, सरस्वती बाग, विरार नगर आदि क्षेत्रों में जलजमाव से लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के घरों व दुकानों में दो से तीन फुट पानी भर जाने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया। पानी की वजह से लोगों के कपड़े, फर्नीचर एवं दुकानों में लाखों रुपए का माल खराब हो गया है। पालघर जिला प्रशासन मंगलवार शाम हाईटाइड को लेकर अलर्ट किया था। प्रशासन ने पालघर जिले के अनार्ला, केलवे, माहिम और डहाणु समुद्र में हाईटाइड की आशंका जताई थी।

क्रांतिकारी
KRANTIKARI

जय हिंद सेना
JAI HIND SENA

ॲड. आर. एन. कच्छवे
संस्थापक / राष्ट्रीय महासचिव
Mob. : 9821387099 , 9224799546,
Head : 27/28, 2nd floor, IDA Mansion, 18-Vaju Kotak Marg, Fort, Mumbai - 400 001.
website : krantikarijaihindsena.com,
E-mail : kramchandra2010@gmail.com

संजय राउत का एक और आदेश... सांसद भावना गवली का पद से इस्तीफा

मुंबई: महाराष्ट्र विधानमंडल में एकनाथ शिंदे की बगावत के झटके के बाद अब शिवसेना ने संसदीय राजनीति के लिहाज से एक अहम फैसला लिया है. लोकसभा में शिवसेना की नेता भावना गवली को बाहर कर दिया गया है। एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद भावना गवली ने शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिखा था। भावना गवली ने कहा था कि एकनाथ शिंदे की भूमिका सही थी। उसके बाद चर्चा है कि शिवसेना के 12 सांसद अलग हो जाएंगे। इसमें सबसे आगे भावना गवली का नाम है। इसी पृष्ठभूमि में शिवसेना ने भावना गवली को लोकसभा सीट से हटा दिया है। ठाणे से शिवसेना सांसद राजन विचारे को भावना गवली की जगह नियुक्त किया गया है। इस बात की जानकारी शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी की ओर से लिखे पत्र में दी है। इस पत्र में कहा गया है कि सांसद राजन विचारे को तत्काल प्रभाव से भावना गवली के स्थान पर लोकसभा में शिवसेना के मुख्य प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित किया गया है। इसलिए अब देखना होगा कि भावनाएं कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। यह देखना बाकी है कि अगर वह आपा खो देती हैं तो भी वह शिवसेना छोड़ेंगी या नहीं।

कल मुंबई से शिवसेना सांसद राहुल शेवाले ने भी उद्धव ठाकरे को एक पत्र भेजा था। इसमें राहुल शेवाले ने बीजेपी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से समर्थन की गुहार लगाई थी. महाराष्ट्र में तख्तापलट से पहले महाविकास अघाड़ी ने राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा को हराने की रणनीति तैयार की थी। एकनाथ शिंदे की बगावत के लिए बीजेपी ने जो लॉजिस्टिक्स मुहैया कराया है, उसे देखते हुए शिवसेना की भूमिका वही रहने की संभावना है. हालांकि अब राहुल शेवाले ने पार्टी के खिलाफ अपनी बात रखी है। इसलिए इस बात की प्रबल संभावना है कि राष्ट्रपति चुनाव में शिवसेना के सांसद भी फूट पड़ेंगे। अगर ऐसा होता है, तो एकनाथ शिंदे गुट का दावा है कि शिवसेना पार्टी में फूट है। इसलिए एकनाथ शिंदे गुट को पूरी शिवसेना पार्टी पर कब्जा करने के लिए अदालती लड़ाई में फायदा हो सकता है।

ठाणे, पालघर, रायगढ़, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी और कोल्हापुर में बाढ़ का खतरा!

अगले 4 दिन बेहद भारी बारिश की चेतावनी जारी...

ठाणे : मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को महाराष्ट्र में अगले चार दिन तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य प्रशासन के अधिकारियों को एहतियात बरतने और यह तय करने का निर्देश दिया कि जानमाल का कोई नुकसान न हो। इसके अलावा राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित तटीय कोंकण में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 24 टीमों को तैनात कथिा है। जो का हालात से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुंबई के पास स्थित रायगढ़ जिले में कुंडलिका नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

मुंबई और उसके कुछ पड़ोसी जिलों में मंगलवार सुबह भारी बारिश हुई और कुछ स्थानों पर बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। आईएमडी ने दक्षिण कोंकण क्षेत्र और गोवा के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' और उत्तरी कोंकण, उत्तर मध्य एवं दक्षिण मध्य महाराष्ट्र तथा मराठवाड़ा क्षेत्रों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग मौजूदा मौसम प्रणालियों के आधार पर चार रंग के 'अलर्ट' जारी करता है। आईएमडी के अनुसार, मराठवाड़ा क्षेत्र में आंधी, बिजली कड़कने, भारी बारिश के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं। बयान के अनुसार, बढ़ती बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर मुख्यमंत्री शिंदे ने मुख्य सचिव मनु कुमार श्रीवास्तव के साथ बातचीत की। जिलों के प्रभारी (गार्जियन) सचिवों को अपने जिलों में पहुंचने और स्थिति पर नजर रखने के लिए कहा गया है। बयान के अनुसार, जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को भारी बारिश के मद्देनजर सतर्क रहने और एहतियात बरतने को कहा गया है। ठाणे, पालघर, रायगढ़, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी और कोल्हापुर जहां तेज बारिश हो रही है लोगों को बाढ़ आने के खतरे को लेकर आगाह कर दिया गया है।

सरकार चलाते समय हम शिंदे के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे- फडणवीस

मुंबई: एकनाथ शिंदे ने एक साधारण कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री तक का सफर तय किया है। वह बालासाहेब के सच्चे शिवसैनिक हैं। हमारी लंबी दोस्ती है। सरकार चलाते समय हम उनके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। नहीं, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गवाही दी सोमवार को विधानसभा में यह सरकार ईडी की वजह से आई। फडणवीस ने यह भी कहा कि वह उन लोगों के अदृश्य हाथों के लिए आभारी हैं जिन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के दौरान उनकी मदद की, भले ही वह सरकार से बाहर थे। शिंदे सरकार के खिलाफ विधानसभा ने अविश्वास प्रस्ताव पारित किया, जिसके बाद फडणवीस ने शिंदे सरकार को बधाई प्रस्ताव पेश किया। उस समय बोलते हुए, फडणवीस ने कहा कि उन्होंने समृद्धि राजमार्ग की जिम्मेदारी ली, जिसे बाद में बालासाहेब ठाकरे राजमार्ग का नाम दिया गया। अब उनका काम का पहला चरण समाप्त हो रहा है। स्वास्थ्य उनका पसंदीदा विषय है। स्वास्थ्य मंत्री के रूप में, उन्होंने एक अच्छी छाप छोड़ी है। उनमें एक विशाल मानवता है। वह एक ऐसे नेता हैं जो 24 घंटे काम करते हैं।

मजाक उड़ाने वालों बदला जरूर लेंगे

मैंने कहा था कि मैं फिर आऊंगा। बहुत से लोगों ने टिंगलाट के साथ किया। मैं इन लोगों को माफ करके बदला जरूर लूंगा। इस बीच एक महिला सांसद को 12 दिन की जेल हुई लेकिन सत्ता का अहंकार सिर पर नहीं चढ़ना चाहिए। हमारी सरकार बदलाव की भावना से काम नहीं करेगी। हम पिछली सरकार के फैसलों को पूरी तरह से नहीं बदलेंगे। फडणवीस ने समझाया कि हम जो भी करेंगे, गुणवत्ता के आधार पर करेंगे।

मासूम बच्चे दे रहे हैं लूट की वारदात को अंजाम, रेलवे जीआरपी कर रही तलाश'

मुंबई : लोकल ट्रेन में यात्रा करनेवाली महिलाएं सावधान हो जाएं। इन दिनों स्टेशन परिसर के आस-पास में बच्चे लूट की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। दरअसल ये बच्चे मूसलाधार बारिश का सहारा लेकर महिलाओं के पर्स लूटकर भाग जाते हैं। महिला के अनुसार बच्चे रेनकोट पहने रहते हैं, जिससे उनका चेहरा दिखाई नहीं देता है। ऐसी दो घटनाएं खार रोड स्टेशन और परेल स्टेशन में घटित हुई हैं। जीआरपी पुलिस शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। मुंबई में बारिश की शुरूआत हो चुकी है। ऐसे में लोकल ट्रेन में यात्रा करनेवाली महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

किसान की आत्महत्या...

(पेज १ का शेष....)

नवी मुंबई पुलिस इस बिंगो गेम से पुरी तरह से अनजान है - लेकिन हम अपने महाराष्ट्र क्राइम्स समाचार पत्र के माध्यम से नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त, सह पोलिस आयुक्त, अप्पर पुलिस आयुक्त, गुन्हे पुलिस उपायुक्त, (गुन्हे), पुलिस उपायुक्त परिमंडल क्र. १ वाशी इन अला अधिकारियो से यह आग्रह करते है कि इस अवैध बिंगो रोलेट खेल पर तत्काल कानूनी कारवाई कर के हमेशा-हमेशा के लिये बंद कराए.

आपकी जानकारी के लिये दुकानों की सुची

१) शिवाजी मार्केट प्लाट क्र. ८/९ सेक्टर १९ डी दुकान क्र ५४ वाशी नवी मुंबई, अंतर्गत ए.पि.एम.सी.पोलीस थाने

२) प्लाट क्र.२३ दुकान क्र ९ सेक्त्टर २६ पुनीत कार्नर वाशी नवी मुंबई अंतर्गत, ए.पि.एम.सी.पुलिस थाने

३) साईं कुपा ऑनलाइन लॉटरी प्लाट क्र.२६ दुकान क्र ८ मेघराज सिनेमा कम्पौंड सेक्टर २, वाशी नवी मुंबई ४००७०३ अंतर्गत वाशी पुलिस थाने

४) लक्ष्मी फास्टफूड प्लाट क्र २६ दुकान क्र ११ में मेघराज सिनेमा कम्पौंड सेक्टर २ वाशी, नवी मुंबई ४००७०३ (आगे चाय और वाडा समोसा पाँव की दुकान सिर्फ दिखाने के लिये दुकान के बिच में आधे में पाटिसन लगा कर पीछे बिंगो रोलेट खेल खिलाया जा रहा है) अंतर्गत वाशी पुलिस थाने

५) शामराव कुंज को.ओ.हो.सो. दुकान क्र.१ प्लाट क्र ७०, सेक्टर ४ ए, कोपर खेरना नवी मुंबई अंतर्गत कोपर खेरना पुलिस थाने

६) साईं समर्थ विडियो गेम अजंता को.ओप.हा.सो मेट्रो बार अंड रेस्टोरेंट के पीछे सेक्टर १५, डी मार्ट के सामने नवी मुंबई अंतर्गत कोपर खेरना पुलिस थाने

७) श्री सर्वन फास्ट फूड प्लाट क्र २६ दुकान क्र ९ और १० के ऊपर में मेघराज सिनेमा, कम्पौंड सेक्टर २ वाशी, नवी मुंबई ४००७०३ अंतर्गत वाशी पुलिस थाने

८) दुकान क्र. ५ प्लाट क्र ७ सेक्टर १ गायत्री सेन्टर शिरोना नेरुल नवी मुंबई अंतर्गत नेरुल, पुलिस थाने

९) ब्ल्यू स्टार बियर बार के पीछे, शॉप नं.ए२२, अशोक कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं.७, सेक्टर-१८, सानपाडा, नवी मुंबई-४००७०५ अंतर्गत सानपाड़ा पुलिस थाने.

मेष राशि– इस महीने आपका आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। 15 जुलाई तक कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। 16 जुलाई से परिश्रम में कमी आएगी। परंतु फिर भी रहन-सहन अव्यस्थित रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। 13 जुलाई के बाद विदेश यात्रा के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा लाभप्रद रहेगी।

वृष राशि– मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में सुधार के योग बनेंगे। 16 जुलाई से कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। 13 जुलाई के बाद जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन राशि– वाणी में मधुरता रहेगी, परंतु मन परेशान रहेगा। तीन जुलाई से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। परंतु धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। कारोबार में वृद्धि होगी। 13 जुलाई के बाद विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। शत्रुओं पर विजय मिलेगी। परंतु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

कर्क राशि– मन में शांति व प्रसन्नता रहेगी। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। तीन जुलाई के बार कारोबार में निवेश कर सकते हैं। 13 जुलाई के बाद जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। 16 जुलाई से धर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे।

सिंह राशि– सावधानी से रहें। खर्चों में वृद्धि के आसार। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार से दूर भी रहना पड़ सकता है। 13 जुलाई के बाद कारोबार के लिए यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं।

कन्या राशि– मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। तीन जुलाई से कारोबार में सुधार हो सकता है। 13 जुलाई से शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। 16 जुलाई के बाद व्यर्थ के क्रोध से बचें। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि भी होगी।

तुला राशि– मन अशांत रहेगा। संयत रहें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तीन जुलाई से तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। 13 जुलाई के बाद कारोबार के लिए यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। रहन सहन अव्यवस्थित हो सकता है, परंतु यात्रा लाभप्रद रहेगी।

वृश्चिक राशि– इस महीने कारोबार में कठिनाइयां देखने को मिल सकती हैं। 17 जुलाई से कारोबार में भी सुधार होना प्रारंभ होगा। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु राशि– मन अशांत रहेगा। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। 16 जुलाई से कारोबार में परिश्रम में कमी आएगी। मन को शांति मिलेगी।

मकर राशि– मास के प्रारंभ में मन शांत रहेगा। 13 जुलाई से जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। रहन सहन अव्यवस्थित हो सकता है। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। संतान को कष्ट रहेगा।

कुंभ राशि– 13 जुलाई के बाद नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार से दूर भी रहना पड़ सकता है। 16 जुलाई से जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन राशि– मास के प्रारंभ में मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। 13 जुलाई के बाद आय में वृद्धि होगी। किसी पैतृक संपत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

मुंबई के दहिसर इलाके में तालाब में नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत

मुंबई : मुंबई में हो रही तेज बारिश की वजह से जानलेवा हादसों का सिलसिला जारी है। मुंबई के दहिसर इलाके में एक तालाब में नहाने गए दो लोगों की डूबने से मौत का मामला सामने आया है। इस हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने देर रात रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मुंबई फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक एक शख्स का शव बरामद हो चुका है, वहीं दूसरे युवक की तलाश अभी भी जारी है। दहिसर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार रात बोरीवली उपनगर के गोराई के रहने वाले सात युवक भारी बारिश के बीच वैशाली नगर की एक खदान में पिकनिक मनाने गए थे। वहां पहुंचने पर युवकों ने

खदान में भरे पानी में उतरकर नहाना शुरू कर दिया। इस दौरान इनमें से दो युवक गहरे पानी में जाने की वजह से डूब गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने देर रात एक युवक का शव बरामद कर लिया, जबकि दूसरे की तलाश अभी भी जारी है। पुलिस ने मृतक युवक की पहचान शेखर पप्पू विश्वकर्मा (19) के रूप में की है। जबकि अजय जोगदंड अभी भी लापता है।वहीं दूसरी तरह भारी बारिश की वजह से पवई झील में उफान आ गया है। इस संबंध में नगर निकाय की तरफ से अलर्ट जारी कर लोगों को झील से दूर रहने की सलाह दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश के बीच मंगलवार शाम से पवई झील में उफान शुरू हो गया है। इस झील की भंडारण क्षमता 545 करोड़ लीटर है और यह शाम 6:15 बजे अपनी क्षमता से ज्यादा भर कर ओवरफ्लो हो गई है।

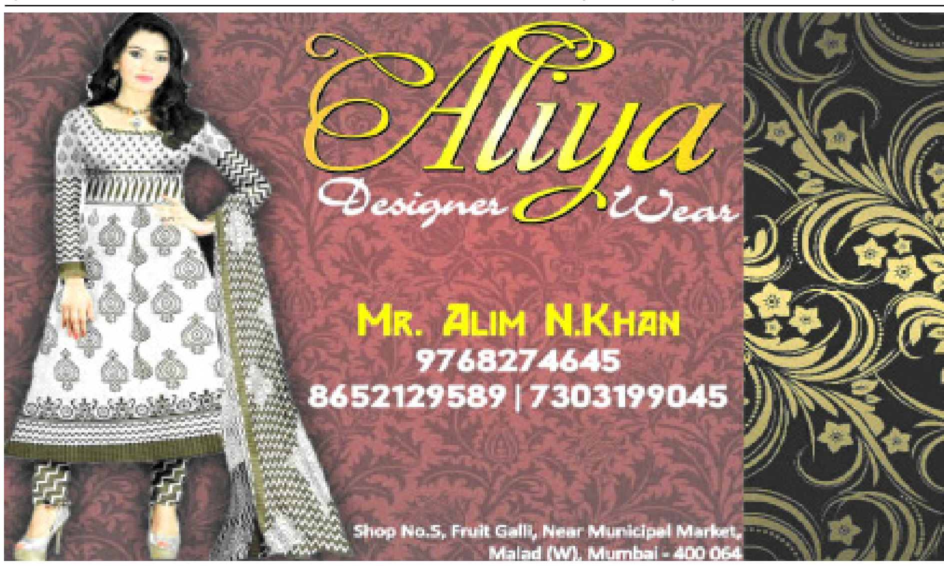

मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार घर पहुंचे एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पत्नी लता शिंदे ने अपने पति के मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद पहली बार अपने घर आ रहे पति के स्वागत में जमकर ड्रम बजाया। जैसे ही एकनाथ शिंदे ठाणे पहुंचे पत्नी ने अनोखे अंदाज में ड्रम बजाकर उनका स्वागत किया। लता शिंदे के इस विशेष स्वागत का वीडियो न्यूज एजेंसी ने शेयर किया है। आपको बता दें कि एकनाथ शिंदे की पत्नी लता शिंदे ने तब उनसे विवाह किया था जब वो एक ऑटो चालक थे। वो शिंदे के साथ उनके हर सुख-दुख में साथ खड़ी रहीं। उन दोनों के तीन बच्चे थे जिसमें एक दुर्घटना में दो बच्चों की मौत हो गई थी जिसका जिक्र अभी हाल में शिंदे ने किया था इस दौरान वो भावुक हो गये थे।

पत्नी लता शिंदे ने ड्रम बजाकर किया वेलकम...

शिंदे के घर आने की खुशी में पत्नी ने बजाया ड्रम

इस वीडियो में एकनासीएम बनने के बाद पहली बार घर पहुंचे एकनाथ शिंदे, पत्नी ने ड्रम बजाकर किया वेलकम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पत्नी लता शिंदे ने अपने पति के मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद पहली बार अपने घर आ रहे पति के स्वागत में जमकर ड्रम बजाया। जैसे ही एकनाथ शिंदे ठाणे पहुंचे पत्नी ने अनोखे अंदाज में ड्रम बजाकर उनका स्वागत किया। लता शिंदे के इस विशेष स्वागत का वीडियो न्यूज एजेंसी ने शेयर किया है। आपको बता दें कि एकनाथ शिंदे की पत्नी लता शिंदे ने तब उनसे विवाह किया था जब वो एक ऑटो चालक थे। वो शिंदे के साथ उनके हर सुख-दुख में साथ खड़ी रहीं। उन दोनों के तीन बच्चे थे जिसमें एक दुर्घटना में दो बच्चों की मौत हो गई थी जिसका जिक्र अभी हाल में शिंदे ने किया था इस दौरान वो भावुक हो गये थे। आपको बता दें कि मंगलवार की रात लगभग 9:30 बजे शिंदे अपने घर ठाणे पहुंचे। इस दौरान शिंदे के स्वागत में उनके समर्थक बारिश में खड़े होकर उनका इंतजार करते रहे। शिंदे के आते ही उनके समर्थकों ने उन्हें चारो ओर से घेर लिया और उनकी गाड़ी पर लगातार फूल बरसाए। शिंदे के ठाणे में आगमन के साथ ही समर्थकों ने जमकर ढोल बजाया इस दौरान उनके चेहरे की चमक देखते ही बन रही थी।

ठाकरे के तंज पर किया पलटवार

शिवसेना में सीएम के विद्रोह के बाद मंगलवार को शिंदे और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पहली बार एक-दूसरे पर तंज कसा। ठाकरे ने शिंदे को एक ऑटो चालक कहा, ''जिसका ब्रेक फेल हो गया क्योंकि वह बहुत तेज चल रहा था।'' ठाकरे के इस बयान पर शिंदे ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी सरकार आम आदमी की है और ऑटो की रफ्तार ने मर्सिडीज को पीछे छोड़ दिया है। शिंदे की पत्नी लता शिंदे ने पार्टी कार्यकताओं के साथ जमकर ड्रम बजाते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके पहले ठाणे में शिवसैनिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें केंद्र सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया है।

शिंदे के घर आने की खुशी में पत्नी ने बजाया ड्रम

इस वीडियो में एकनाथ शिंदे की पत्नी लता शिंदे ने पार्टी कार्यकताओं के साथ जमकर ड्रम बजाते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके पहले ठाणे में शिवसैनिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें केंद्र सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया, "यहां तक कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपना पूरा समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मैं हिंदुत्व के लिए अच्छा काम कर रहा हूं।"

सीबीएसई बोर्ड का आएगा नतीजा तो शुरू होगा ११वीं में एडमिशन

मुंबई : स्टेट बोर्ड के १०वीं का रिजल्ट घोषित हुए पंद्रह दिन बीत चुके हैं लेकिन अभी तक ११वीं कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, वहीं सीबीएसई बोर्ड द्वारा १०वीं के नतीजों को घोषित नहीं किया गया है, जिससे छात्र रिजल्ट के इंतजार में बेकरार बैठे हैं। जिसे देखते हुए राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की तरफ से कहा गया है कि सीबीएसई बोर्ड के १०वीं का परिणामों आने के बाद ही ११वीं में प्रवेश की अगली प्रक्रिया शुरू होगी। इसका उद्देश्य सीबीएसई बोर्ड के छात्रों को भी प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने का मौका देना है।

ज्ञात हो कि स्टेट बोर्ड के १०वीं का रिजल्ट १७ जून को घोषित किया गया था। हालांकि शिक्षा विभाग ने छात्रों को ११वीं ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के हेतु से मई महीने में ही प्रवेश फॉर्म का एक भाग भरने का मौका दिया था। इसके तहत पुणे, मुंबई, नासिक, अमरावती, नागपुर आदि विभागों के छात्रों ने प्रवेश फॉर्म का एक भाग भर दिया है। हालांकि १०वीं के परिणाम घोषित हुए लगभग पंद्रह दिन हो चुके हैं, लेकिन ११वीं कक्षा के लिए प्रवेश प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।

सीबीएसई बोर्ड के १०वीं के परीक्षा परिणाम हर साल स्टेट बोर्ड से पहले यानी मई महीने में ही घोषित कर दिए जाते थे। हालांकि इस साल पहली बार स्टेट बोर्ड के नतीजे घोषित किए गए जा चुके हैं। लेकिन अन्य शिक्षा बोर्डों के नतीजे अभी तक घोषित नहीं किए गए हैं। हर साल जूनियर कॉलेज में ११वीं के कुल दाखिले में से पांच फीसदी सीबीएसई से होते हैं। इसलिए सभी छात्रों को प्रवेश दिलाने के लिए सरकार ने ११वीं की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए अन्य बोर्ड के छात्रों का इंतजार करने का फैसला किया है। सीबीएसई के नतीजे घोषित होते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वायरल बीमारियों के मामलों में ४० प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई : मुंबई में जारी भारी बारिश से न केवल जनजीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि बच्चों से लेकर बड़े तक सर्दी-बुखार जैसे मौसमी मर्ज से परेशान हो गए हैं। हालांकि इन सबके बीच बच्चों के कोरोना से संक्रमित होने के मामलों में काफी हद तक कमी आई है। लेकिन अब अन्य वायरल बीमारियों ने फन फैलाना शुरू कर दिया है। आंकड़ों के मुताबिक वर्षा जनित वायरल बीमारियों के मामलों में लगभग ४० प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें से १५ से २० फीसदी बच्चे इंफ्लूएंजा से संक्रमित पाए गए हैं। इसके शिकार बच्चों में मुख्य लक्षण बुखार, ठंड लगना, खांसी और शरीर में दर्द है। इसी तरह १५ से २० प्रतिशत बच्चे अन्य वायरल रोगों से संक्रमित हो रहे हैं। यह जानकारी कोरोना टास्क फोर्स में शामिल बालरोग विशेषज्ञ डॉ. विजय येवले ने दिया है। उल्लेखनीय है कि अब तक यह देखा गया है कि कोरोना वयस्कों और बच्चों दोनों को

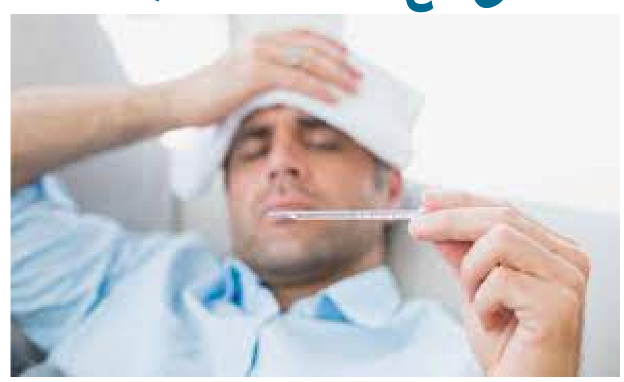

प्रभावित कर रहा है लेकिन कोरोना से संक्रमित सभी बच्चों में हल्के लक्षण दिखे हैं। इनमें सबसे आम लक्षण गले में खराश, गला लाल होना, बुखार और सिरदर्द हैं। दूसरी तरफ शहर में जारी मूसलाधार बारिश अब अन्य वायरल बीमारियों को न्यौता दे रही है। बीते कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि वायरल बीमारियों में इजाफा हुआ है। राज्य कोरोना टास्क फोर्स के अनुसार अन्य वायरल मर्ज और कोरोना के लक्षण समान हैं। नतीजतन बच्चों में बुखार वास्तविक तौर पर किन कारणों से हो रहा है, इसे लेकर अभिभावक भ्रमित हो रहे हैं। कई बार बच्चा बारिश में भीग जाता है। ठंडा खाद्य पदार्थ खा लेता है, ऐसे में वह कोरोना से संक्रमित हुआ है अथवा अन्य वायरल बीमारियां हुई हैं, यह पता नहीं चल पाता है। इससे अभिभावक भी परेशान हो रहे हैं। लेकिन दोनों ही मामलों में बच्चा दो-तीन दिन में पूरी तरह ठीक हो रहा है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। बच्चों में अन्य वायरल बीमारियों के साथ ही पेट दर्द की शिकायतें भी देखी जा रही हैं। इसलिए बच्चों को इस दौरान बाहर के खाने से बचना चाहिए। साथ ही पानी को उबालने के बाद छानकर पीने के लिए देना चाहिए। कोरोना और अन्य वायरल रोगों के लिए निवारक उपाय समान हैं। इनमें हाथों को बार-बार साफ करना, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना और मास्क का इस्तेमाल करना यह त्रिसूत्रीय उपाय अपनाएं।

पानी की आपूर्ति करने वाले झील क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में हुई अच्छी बारिश...

मुंबई: मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले झील क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में अच्छी बारिश हुई है. मुंबई में 10 फीसदी पानी कटौती की घोषणा के बाद से बारिश ने भी झील क्षेत्र में जल स्तर में सुधार करने में मदद की है। पिछले सप्ताह झील क्षेत्र में हुई बारिश से जल भंडार में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसलिए, अगर इसी तरह बारिश जारी रहती है, तो अगले आठ से दस दिनों में पानी की कटौती को रद्द करने का निर्णय लिया जा सकता है, नगर प्रशासन ने कहा। मुंबई में जून का पूरा महीना बिना बारिश के गुजरा। नतीजतन, मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाली झीलें तल पर पहुंच गईं। इसलिए मुंबई नगर निगम को पानी में 10 फीसदी की कमी करनी है। झील क्षेत्र में पिछले चार-पांच दिनों से हो रही संतोषजनक बारिश के कारण झील में जल संचयन बढ़ता जा रहा है। पिछले पांच दिनों में पानी 3.2 फीसदी बढ़कर 46,304 करोड़ लीटर हो गया है। नतीजतन, झील में पानी का भंडारण 12 दिनों तक बढ़ गया है। झील क्षेत्र में अच्छी बारिश होने से मुंबईकरों को राहत मिली है। मोदकसागर, तानसा, मध्यवैतरण, भातसा, विहार, तुलसी, ऊपरी वैतरणा नामक सभी सात झीलों से मुंबई को पानी की आपूर्ति की जाती है।

सालाना 14 लाख 47 हजार 363 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है। जून से सितंबर के बीच हुई बारिश के कारण झील में पर्याप्त पानी जमा हो रहा था। लेकिन इस साल जून का पूरा महीना बिना बारिश के गुजर गया। नतीजतन, झीलों में पानी की कमी के कारण जल संकट पैदा हो गया। इसे ध्यान में रखते हुए, नगर पालिका को मुंबईकरों

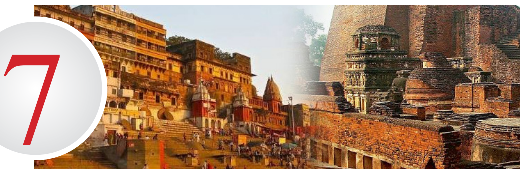

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए।फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

अगर रखेंगे इन बातों का ख्याल रिश्ता हो जाएगा मजबूत

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक–दूसरे को दें वक्त

एक–दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक–दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक– दूसरे के साथ समय बिताएं।

शीशों से नहीं छूट रहे दाग- धब्बे तो अपनाएं ये तरीके

घर में लगे कांच का गंदा होना और उन पर दाग- धब्बे पड़ना आम समस्या है। इनको साफ करना बहुत ही मुश्किल होता है। कई बार दाग इनते जिद्दी होते हैं कि सर्फ, शैंपू से साफ करने भी इन पर कोई असर नहीं होता। इन चीजों से कांच साफ करने पर यह धुंधला और गंदा हो जाता है। जो देखने में बहुत ही अजीब सा लगता है। ऐसे में खिड़की, दरवाजों, ड्रैसिंग टेबल और बाथरूम के शिशे की चमक लौटाने के लिए घर में पड़ी कुछ चीजों का उपयोग कर सकते हैं। आज हम आपको मिरर क्लीनिंग प्रॉडेक्टड और इनके सही इस्तेमाल से कांच साफ करने का तरीका बताएंगे। इससे एक बार फिर से चमक उठेंगे।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडे का इस्तेमाल खाना बनाने के अलावा शीशे को साफ करने में भी किया जाता है। कांच को साफ करने के लिए बेकिंग सोडे को पानी में मिलाकर स्पोंज या किसी मुलायम कपड़े की सहायता से साफ करें। ऐसा करने से इसके दाग– धब्बे साफ हो जाएगे और कांच चमक उठेगा।

सिरका

कांच को अच्छे से साफ करने के लिए सिरके का उपयोग करें। शिशे की गंदगी साफ करने के लिए सिरके को एक स्प्रे की बोतल में डाल लें। आवश्यकता पड़ने पर कांच पर इससे स्प्रे करें और साफ कपड़े से साफ करें।

अखबार

कांच को साफ करने के लिए अखबार के टुकड़े की बॉल बनाकर पानी में डालकर निकाल लें। अब इसको हल्के हाथों से शीशे पर घुमाएं। आप चाहे तो इसमे विनेगर भी डाल सकते है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से कांच अच्छे से साफ हो जाएगा।

नमक

नमक खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ ही घर की साफ सफाई करने के काम भी आता है। इसका इस्तेमाल करके घर के शीशों को आसानी से साफ किया जा सकता है। नमक से शीशे साफ करने के लिए इसको पानी में डालकर घोल बनाएं। इससे शीशा साफ करें, शीशा चमकने लगेगा। इसके अलावा, कपडे पर लगे कोल्डड्रिंक के दाग आदि को छुड़ाने में भी नमक का प्रयोग किया जाता है।

क्लब सोडा

कांच की गंदगी साफ करना का सबसे आसान और सस्ती चीज है क्लब सोडा। इसका इस्तेमाल करने के लिए क्लब सोडा को एक स्प्रे बोतल में भर लें। कांच में जहां गंदगी दिखें वहीं इसे स्प्रे करें और साफ कॉटन के कपड़े से पोछ लें। इस तरह से कांच साफ करने से चमक उठेगा

ठंडे पानी

शीशे पर पड़े दागों को दूर करने के लिए ठंडा पानी लें। पानी को धीरे– धीरें शिशे पर फेंके। अब इसको नर्म कपड़े की सहायता से आराम से साफ करें। ऐसा करने से कुछ ही समय में दाग मिट जाएगें।

अल्कोहल

शीशे के पुराने और जिद्दी दागों को दूर करने के लिए अल्कोहल का इस्तेमाल करें। एक कपड़े पर अल्कोहल डालकर कांच साफ करें। कुछ ही मिनटों में दाग छूमंतर हो जाएंगे।

नींबू का रस

नींबू के रस से आसानी से घर के गंदे शीशों को साफ किया जा सकता है। नींबू के रस में थोड़ा सा पानी डालकर मिक्स करें। अब एक सूती कपड़ा लें। इसके बाद उस कपड़े धीरे– धीरे शीशे को साफ करें।

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जुलाई 2022

मंत्रालय में शिंदे ने संभाला कार्यभार

दफ्तर में लगाई बाल ठाकरे-आनंद दीघे की तस्वीर...

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज राज्य सचिवालय ह्यमंत्रालय में आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया। शिंदे के प्रभार संभालने से पहले भव्य तरीके से सजाए गए मुख्यमंत्री कार्यालय में पूजा की गयी। उनके कक्ष में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की बड़ी तस्वीर लगी है और उसके बगल में शिंदे के मार्गदर्शक आनंद दिघे की तस्वीर लगी है। शिंदे ने सचिवालय इमारत में प्रवेश करते ही मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बी आर आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। शिंदे की अगुवाई वाले विधायकों के धड़े के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने पत्रकारों से कहा कि, बाल ठाकरे किसी की संपत्ति नहीं हैं।

उन्होंने उद्धव ठाकरे नीत धड़े द्वारा, शिवसेना के दिवंगत संस्थापक बाल ठाकरे का नाम और तस्वीर शिंदे गुट द्वारा इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताए जाने के बारे में पूछने पर कहा, ''बालासाहेब पूरे राज्य के हैं और कोई इस तथ्य को बदल नहीं सकता। शिवसेना सांसद संजय राउत पर निशाना साधते हुए केसरकर ने कहा, ''राउत, शरद पवार के करीबी हैं, उद्धव जी के बारे में मुझे नहीं पता। जब मुझे लगा कि महा विकास आघाडी में शिवसेना को दिक्कतें हो रही हैं तो मैंने उद्धवजी को मनाने की कोशिश की। मैं कभी उनसे मंत्री पद के लिए नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा, ''उन्होंने 2014 में मुझे कहा था कि, वह मुझे मंत्रिमंडल में शामिल नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें शिवसेना के उन नेताओं को पहले प्राथमिकता देनी है, जिन्होंने बालासाहेब के साथ काम किया था। इसलिए मैं उद्धवजी का सम्मान करता हूं। केसरकर ने उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के, लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक के तौर पर भावना गवली को हटाने के फैसले की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, ''ऐसे कदम से आप महिलाओं को अपमानित कर रहे हैं। वह पांच बार सांसद रह चुकी हैं, जिन्होंने हमेशा शिवसेना का झंडा बुलंद किया है। गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले धड़े ने बुधवार को गवली के स्थान पर लोकसभा में शिवसेना के मुख्य सचेतक के तौर पर राजन विचारे को नामित किया।

कांदिवली में 5 पालतू पिल्लों की जहर से हुई मौत...!

FIR दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

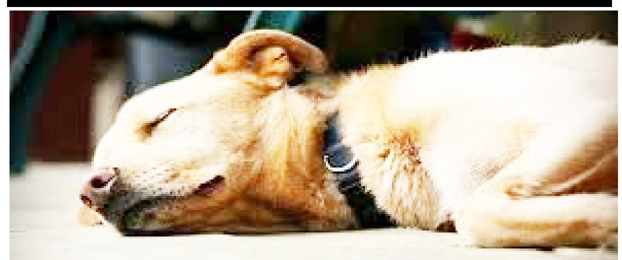

मुंबईः मुंबई के कांदिवली पूर्व में पांच पालतू पिल्लों को जहर देकर मारने के मामले से हडकंप मच गया है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक 69 वषीर्या महिला के पांच पिल्लों को जहर देकर मारा गया है। जिसकी शिकायत महिला ने पुलिस से की है। मुंबईः मुंबई के कांदिवली पूर्व में पांच पालतू पिल्लों को जहर देकर मारने के मामले से हडकंप मच गया है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक 69 वषीर्या महिला के पांच पिल्लों को जहर देकर मारा गया है। जिसकी शिकायत महिला ने पुलिस से की है।

पुलिस का कहना है कि लोखंडवाला क्षेत्र के सप्तश्रृंगी सोसाइटी में रहने वाली शिकायतकर्ता अपने पति, बेटे और मां के साथ रहती हैं। परिवार के लोग एक जनरल स्टोर चलाते हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पास दो कुत्ते थे जिन्होंने आठ महीने पहले 15 पिल्लों को जन्म दिया था। तब से वह इनकी देखभाल कर रही थी। लेकिन तीन जुलाई को रात लगभग 8 बजे अचानक उनके पिल्लै बीमार पड़ गए और उनके मुंह से झाग और खून निकल रहा था और फिर उनकी मौत हो गई।

सपा विधायक अबू आजमी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पुणे से दो आरोपी गिरफ्तार...!

मुंबईः मुंबई से समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को फोन पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने यह कार्रवाई पुणे में की है। दरअसल सोमवार को अबू आजमी के निजी सहायक ने मुंबई पुलिस से संपर्क कर मामले की जानकारी दी थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें इसलिए धमकियां मिल रही हैं क्यों उनकी पार्टी ने औरंगाबाद और उस्मानाबाद का नाम बदलने का विरोध किया है।

ज्ञात हो कि औरंगाबाद और उस्मानाबाद का नाम बदलने के बाद से समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी लगातार विरोध कर रहे थे। जिसके बाद उन्हें फोन पर गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस मामले में पुलिस थाने में मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू की गई थी। मुंबई पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमे से एक आरोपी नासिक का बताया जा रहा है। पुलिस ने रात 1 बजे दोनों आरोपियों को पकड़ा है।

मुंबई में नहीं थम रही सफेद जहर की तस्करी...!

24 लाख की कोकीन के साथ पकड़ा गया नाइजीरियाई नागरिक

मुंबई : मुंबई पुलिस की लगातार कार्रवाइयों के बावजूद मायानगरी में ड्रग्स की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। वहीं मुंबई पुलिस भी एक के बाद एक लाखों की ड्रग्स सप्लाई करने वाले पेडलर्स को पकड़ रही है। इसी कड़ी में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की नारकोटिक्स रोधी सेल ने मंगलवार को एक नाइजीरियाई नागरिक को लाखों रुपए की ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। सेल के अधिकारियों का कहना है कि, ये ड्रग्स मुंबई के हाईप्रोफाइल कस्टमर्स को सप्लाई की जानी थी, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने इस पेडलर को पकड़ लिया।

एएनसी अधिकारी अब इस पेडलर से पूछताछ कर इसके रैकेट और सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटे हैं। आपको बता दें कि, एएनसी लगातार ड्रग तस्कारों को पकड़ रही

है। इनमें से कई नाइजीरियाई मूल के नागरिक हैं। अब एएनसी ये पता लगाने में जुटी है कि, आखिर ये ड्रग्स सप्लाई कहां से हो रही है।

एएनसी के अधिकारियों ने बताया कि, पकड़े गए आरोपी की पहचान 31 वर्षीय चुकुमा नवाके के रूप में हुई है। सांताक्रूज में एयर इंडिया रोड पर नियमित गश्त के दौरान एएनसी की बांद्रा इकाई ने उसे घूमते हुए देखा। जिसके बाद उसे रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में चुकुमा के बैग से 24 लाख रुपए की कीमत की 80 ग्राम कोकीन बरामद की गई। जिसके बाद एएनसी की टीम ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में पता चला कि, चुकुमा हाई क्वालिटी की कोकीन सप्लाई करने वाले प्रमुख सप्लायर्स में से एक है। वह हाईप्रोफाइल लोगों को ड्रग्स सप्लाई करता था। पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि, चुकुमा साल 2014 में भी इसी तरह के एक अन्य मामले में साकी नाका पुलिस द्वारा पकड़ा जा चुका था। एएनसी के अधिकारियों का कहना है कि, इस रैकेट में कई तस्कर शामिल हैं, जिसमें कई नाइजीरियाई मूल के हैं। अब इन सभी का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। आपको बता दें कि, ड्रग सप्लाई करते नाइजीरियाई नागरिकों पर पहले भी एएनसी ने शिकंजा कसा है।

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया ।
संपादक सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७